Ganapatha in Shikshagranthas and Pratishakhyas

(ख) अमरकोश

Amarakosha

(ग) मेदिनीकोश

Medinikosha

(घ) न्यायकोश

Nyayakosha

(ङ) प्राकृतकोश

Prakritakosha

3. निम्नलिखित में से किसी 1 पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए:

Write short note in Sanskrit on any one of the following: (9×1=9)

(क) सर्वानुक्रमणी

Sarvanukramani

(ख) अमरकोश

Amarakosha

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 2045 **I**

Unique Paper Code : 2133100009

Name of the Paper : Lexicographical Tradition in Sanskrit,

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit – DSE**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit or in Hindi or in English,** but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं 3** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (18×3=54)

Answer any three questions out of the following:

(क) संस्कृत कोशों के उद्भव एवं विकास को दर्शाते हुए वैदिक कोश परम्परा पर प्रकाश डालिए।

Describing the origin and development of Sanskrit Lexicons, throw light on the Vedic tradition of Lexicography.

(ख) कोशशास्त्र से क्या अभिप्राय है? संस्कृत कोश परम्परा में अमरकोश-पूर्व कोशकारों एवं कोशों का वर्णन कीजिए।

What is the meaning of Lexicography? Describe the Pre-Amarakosha (Before Amarakosha) lexicographers and lexicons.

(ग) संस्कृत कोशों के प्रकार बताते हुए, प्रत्येक प्रकार के किसी एक प्रतिनिधि कोश की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

Depicting the various types of Sanskrit lexicons, describe the characteristics of any one representative lexicon of each type.

(घ) वाचस्पत्यम् और शब्दकल्पद्रुम की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करते हुए, संस्कृत की लौकिक कोश परम्परा में उनका स्थान निर्धारित कीजिए ।

Describing the major characteristics of Vachaspatyam and Shabdakalpadruma, determine their places in the classical lexicographical tradition of Sanskrit.

(ङ) संस्कृत कोश परम्परा के आधुनिक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए, संस्कृत कोश परम्परा में आधुनिक संस्कृत कोशकारों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

Explaining the modern form of Sanskrit lexicographical tradition, throw light on the contribution of modern Sanskrit lexicographers to the Sanskrit lexicographical tradition.

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं 3** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (9x3=27)

Write short notes on **any three** of the following:

(क) शिक्षाग्रन्थों एवं प्रातिशाख्यों में गणपाठ